अमृतवेले 28/5/68 ओमशान्ति मधुबन स्वर्गाश्रम शिवबाबा याद (है?) :–बेहद का बाप हम बच्चों को याद की यात्रा कराकर आकर बेहद में खड़े हैं और बच्चों को देख–2 हर्षित हो कर बोले :–

''बच्चे यह है याद की यात्रा। जिससे सभी दुःख दूर हो जाते हैं। हरेक के सभी दुःख दूर हो जाते (हैं)। बाप को याद करने से अगर सभी दुःख दूर हो जाते हैं तो फिर बाप को याद क्यों नहीं करते हो। हरेक ..... आपे ही अपनी दुःख दूर करनी है। बाप सिर्फ़ इशारा देते हैं। युक्ति बताते हैं। इसमें कोई तकलीफ तो है (नहीं।) कोई से कोई आशीर्वाद मांगने की दरकार ही नहीं। कोई कृपा मांगने की दरकार नहीं। ऐसे बेहद का बाप है तो भला मांगे किससे। स्वीट बाबा के चिल्ड्रेन्स सभी सदैव स्वीट ही रहते हैं। मंसा, वाचा, कर्मणा कि(सको) दुःख नहीं देना है। अँग्रेजी में कहते हैं थाट, वर्ड, डीड। ऐसा कोई काम न करना चाहिए, मुख से ऐसा न (बोलना) चाहिए जो किसको दुःख हो। मीठा बनना ज़रूर है। साथ में चलना ज़रूर है तो गुल–2 होकर चलें, फूल होक(र) चलें। मीठे बनते जाओ। बीती को चिंता नहीं। और सभी से प्यार से चलो; क्योंकि बाप तो हमारे सभी क(ामनाएं) पूरी करते हैं। फिर पाई पैसे की कामनाएं गिट–2 क्यों। आपस में गिट–2 होती है तब जब बाप को भूल (जाते) हैं। बाप सभी कामनाएं पूरी करते हैं। फिर क्यों किसको तंग करें। वा दुःख करें। किसको कोई भी बात हो तो बाप को याद करो तो एकदम शीतल हो जावेंगे। जानते हो कि शीतल बनाने वाला हम बच्चों का बाप हमारा ओबिडियेन्ट सर्सेन्ट है। यह भी एक दफा सर्विस करते हैं। जानते हो बाप आये हैं सभी के दुःख ..... राज करते हो सुखधाम में जाते हो बाकी सभी शान्तिधाम में रहते हैं। सुख भी स्थापन करते हो तो शान्ति ..... स्थापन करते हो। समय भी पूरा बताते हैं। फिर तो तुम बच्चों को आांतरिक खुशी होनी चाहिए। बाप को (याद) किया और रोमांच खड़े हो जानी चाहिए। नयन से मोती आ जानी चाहिए; क्योंकि 5000 वर्ष के बाद मि..... सुख देते हैं तो दिल में सुख होता; क्योंकि अभी चल रहे हैं बाप की वतन। यह तुम्हारा कोई वतन नहीं यह तो रावण राज्य पराई राज्य में बैठे हो। चलना है अपनी राजधानी में सिर्फ़ अपनी याद की यात्रा से। (और) कोई तकलीफ़ नहीं। अच्छा बच्चों को गुडमॉर्निंग और नमस्ते।

प्वाइन्ट्सः– अभी तुम यहां बैठे हो जानते हो बाप पढ़ाते हैं। पढ़ाते वह हैं जो कब न सुना (है) नया बाप है ना। आगे कृष्ण को समझते थे। तो यह है नई बात। बाप भी नया, पढ़ाते भी हैं नई है..... भी बाप बहुत सहज बताते हैं। तुम सतोप्रधान थे फिर तमोप्रधान बने हो। गंगा स्नान भी बहुत ..... हुआ कुछ भी नहीं और ही मैले हो गये। कहते भी हैं, पतित–पावन परमपिता परमात्मा हैं। फिर भी ..... आदि के पास जाते हैं। यह समझते नहीं हैं वह पावन बना नहीं सकते हैं; क्योंकि जन्म तो फिर भी ..... से लेते हैं। बाकी हाँ पवित्र हैं; इसलिए उन्हों का मान है। फॉलोवर्स बनते हैं यह भी है रॉंग। अभी यह (भक्ति) मार्ग की बात भूलनी है। बाप कहते हैं, मीठे–2 बच्चों मुझे याद करो तो अंत मते सो गते हो जावेगी(।) नाटक पूरा होता है वापस जाना है। सभी का हिसाब–किताब चुक्तू होना है। अनेक प्रकार की सज़ाएं हैं। काशी करवट खाते हैं तो फिर सज़ा मिल जाती है। सा. कराते जाते हैं सा. बिगर सज़ा कैसे देंगे। वह ..... ऐसी चलती है। ऐसा महसूस होता है जैसे जन्म–जन्मांतर की सज़ा मिल रही है। टाइम बहुत थोड़ा लग..... ; इसलिए बाप कहते हैं पास विद ऑनर हो दिखाओ। तुम जो विश्व में पीस स्थापन करते हो उनकी प्रा... यह है। यह पद पाते हो। फिर जो जितनी मेहनत करे। सभी कहते भी हैं बाबा हम नर से ना. बनेंगे। ..... सत्य ना. की कथा। बाप कहते हैं 5 विकारों का दान दो तो छूटे ग्रहण। ड्रामा अनुसार छूटना .... अनेक बार भारत पर खास दुनियां पर आम राहू की दशा बैठती है। फिर वृक्षपति की दशा बैठती (है)। सुख तुम पाते हो और कोई धर्म वाला उतना नहीं पाता। यह धर्म है ही सुख देने वाला। अच्छा, मीठे(–2) रूहानी बच्चों को रूहानी बाप व दादा का याद प्यार गु(डमॉर्निंग)। ओम